VISION IAS
M N 21 JUL 2023 No. 3
RECEIVED

VISION IAS

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2078)

Name of Candidate	Shivam Agarwal		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	1082039
Center	Mukherjee Nagar, Delhi	Date	21-07-2023

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
6(c)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **HINDI & ENGLISH**
   इसमें बारह प्रश्न हैं **हिन्दी और अंग्रेजी** में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION A

निम्नलिखित प्रश्नों का अधिकतम 150 शब्दों में उत्तर दीजिए:

Answer the following questions in not more than 150 words each:

1. (a) धैर्यवान नेताओं को प्रत्येक व्यक्ति जानता है और ये ऐसे लोग होते हैं जिनकी तरफ संकट के समय अन्य लोग मुड़कर देखते हैं। (150 शब्दों में उत्तर दें)

   Leaders with fortitude are known by everyone and they are the people to turn to when crisis arises. Discuss. (Answer in 150 words) 10

किसी दूरगामी उद्देश्य या कठिन समय में सही समय आने तक इंतजार करने की क्षमता को धैर्य कहते हैं।

जैसे (1) भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में महात्मा गांधी धैर्यवान नेता थे

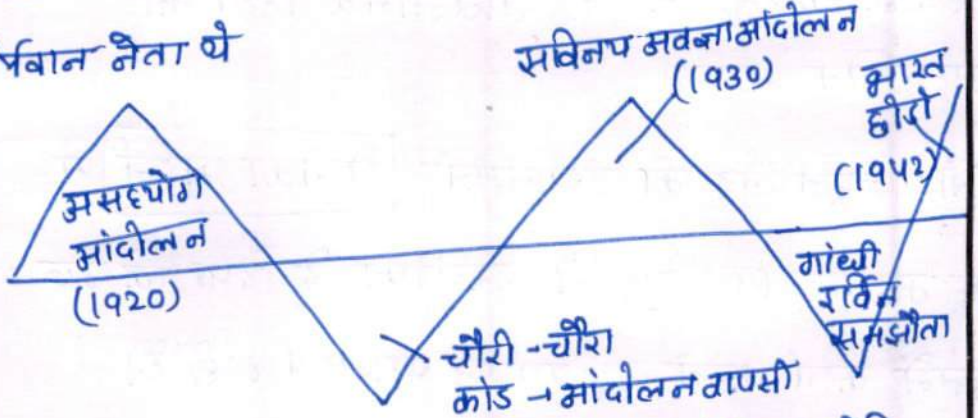

दबाव - समझौता - दबाव की रणनीति

संकट के समय धैर्यवान नेताओं का महत्त्व -

(1) जैसे - कोरोना काल के समय भारतीय नेताओं व PM का धैर्य तथा जनता को रचनात्मक कार्यों जैसे- थाली बजाना आदि के माध्यम से बाँधे रखना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

② अमेरिकी गृहयुद्ध के समय अब्राहम लिंकन का नेतृत्व दास प्रथा का अंत करवाया और अमेरिकी गृहयुद्ध को समाप्त किया।

③ अच्छी नेतृत्वशीलता व संकट से उबरने की रणनीति पर विशेष बल

स्वहित की तुलना में सार्वजनिक हितों को अत्यधिक महत्त्व

जैसे- न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जैसिका अर्डर्न ने यह कहकर PM पद से इस्तीफा दे दिया कि अब उनमें कार्य करने का पर्याप्त सामर्थ्य नहीं है।

निष्कर्षतः धैर्यवान व्यक्ति अपनी भावनात्मक बुद्धिमत्ता व तनाव प्रबंधन के माध्यम से जनता व पूरे राष्ट्र का हित सुनिश्चित कर पाते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. **(b)** देश में बदलते सामाजिक परिदृश्य के मद्देनजर, मूल्यों की शिक्षा युवाओं के लिए न केवल कुशल बल्कि नैतिक रूप से मजबूत पेशेवर बनने हेतु तकनीकी शिक्षा के समान ही महत्वपूर्ण है। चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दें)

In the wake of changing social landscape in the country, value education is as important as technical education for the youth to become not only skilled but also morally strong professionals. Discuss. (Answer in 150 words) 10

हाल ही में माई नई शिक्षा नीति (2020) ने तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ मूल्यों व नैतिक शिक्षा की वकालत की है।

युवाओं के लिए मूल्यों की शिक्षा का महत्त्व

① भावनात्मक बुद्धिमत्ता के विकास हेतु
(डैनियल गोलमैन - किसी व्यक्ति की सफलता में बौद्धिक बुद्धिमत्ता व भावनात्मक बुद्धिमत्ता का अनुपात 20:80 होता है।)

② भ्रष्टाचार नियंत्रण हेतु
जैसे- हाल ही में रांची के IAS छवि यादव को भ्रष्टाचार हेतु गिरफ्तार किया गया है।

③ कार्पोरेट नैतिकता के निर्माण हेतु

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जैसे- ओडिशा ट्रेन हादसे के दौरान अडानी समूह ने अनाथ बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाया है।

(4) व्यक्तिगत जीवन में भी महत्व-

जैसे- लगातार मिल रही असफलताओं से न घबराते हुए आगे बढ़ते रहने की शिक्षा, मूल्यों की शिक्षा ही देती है।

यदि तकनीकी शिक्षा तो मिले किन्तु नैतिक शिक्षा नहीं

→ ओसामा बिन लादेन एक कुशल इंजीनियर होने के बाद भी एक आतंकवादी बन गया।

निष्कर्षतः शिक्षा के सैद्धांतिक पक्ष के साथ-साथ व्यावहारिक पक्ष पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है ताकि SDG-4 (Quality Education) की प्राप्ति हो सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (a) हालांकि निष्पक्षता को लोक सेवा के लिए प्रमुख नैतिक मूल्यों में से एक के रूप में निर्धारित किया गया है, फिर भी इसे लोक सेवाओं में करुणा के प्रति बाधक के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दें)

While impartiality has been identified as one of the key ethical values for public service, it should not be seen as precluding compassion in public services. Discuss. (Answer in 150 words) 10

निर्णय या चिंतन की प्रक्रिया में अपने विश्वासों, मान्यताओं और पूर्वाग्रहों से प्रभावित न होते हुए तर्कों, तथ्यों एवं प्रमाणों के आधार पर निर्णय लेने को निष्पक्षता कहा जाता है।

जैसे - हाल ही में सेना में महिलाओं को स्थायी कमीशन प्रदान करना निष्पक्षता का उदाहरण है।

निष्पक्षता महत्त्वपूर्ण मूल्य क्यों?

① वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाने हेतु

② सतत व समावेशी विकास

③ नीतियों में पारदर्शिता व जवाबदेहिता बनी रहेगी जिससे सुशासन स्थापित होगा।

लोक सेवाओं में निष्पक्षता बाधक कैसे?

उदा① झारखंड PDS मामला

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

झारखंड में एक बालिका को खाद्यान्न इसलिए नहीं दिया गया क्योंकि उसका आधार प्रमाणीकरण नहीं हो पा रहा था जिससे बालिका की मृत्यु

② एक बुजुर्ग महिला जो विधवा पेंशन की हकदार है लेकिन उसके पास कागज नहीं हैं

निष्पक्ष सिविल सेवक
↓
बुजुर्ग महिला को पेंशन स्वीकृति नहीं
↓
महिला का प्रशासन पर विश्वास कमजोर

एक सत्यनिष्ठ व कर्तव्यभावना से परिपूर्ण सिविल सेवक
↓
महिला को कागज पूरे करने के लिए समय देगा।

निष्कर्षतः निष्पक्षता लोक सेवाओं का अनिवार्य गुण है बशर्ते इससे नागरिक केन्द्रित प्रशासन व सेवोत्तम मॉडल को कोई बाधा नहीं पहुँचे।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(b)** प्रशासकों द्वारा धारित शक्ति, यदि सही तरीके से प्रयोग की जाए तो देश को महान लाभ प्रदान कर सकती है, लेकिन यदि इसका दुरुपयोग किया जाए तो क्षति और अपमान का कारण बन सकती है। सविस्तार वर्णन कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दें)

The power, which administrators wield, can bring the nation great dividends if rightly used, but can bring harm and disrepute if abused. Elaborate. (Answer in 150 words) 10

सिविल सेवकों को प्राप्त शक्ति का प्रयोग अधिकतम जनकल्याण सुनिश्चित करने हेतु होना चाहिए जिससे समावेशी विकास सुनिश्चित हो सके

प्रशासकों की शक्ति का प्रयोग

↓ अधिकार/सत्ता के रूप में → अपमान व दुर्भावनापूर्ण कृत्य

जैसे- अगरतला में विवाह उत्सव के दौरान IAS अधिकारी द्वारा की गई गाली-गलौच

↓ कर्तव्य भावना के रूप में → जनकल्याण सुनिश्चित

जैसे- गुजरात परीक्षा सेंटर पर जब एक लड़की गलत सेंटर पर पहुँच गई तो उसे पुलिस अधिकारी ने सही जगह पहुँचाया।

प्रशासकों की शक्ति प्रयोग - case study

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जैसे- नामताड़ा के IAS सौरभ कुमार ने अपनी शक्ति का प्रयोग करते हुए खराब बिल्डिंग को एक लाइब्रेरी में परिवर्तित कराया।

↓

सभी बच्चों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँच

↓

गुणवत्तापूर्ण सेवाओं की प्रदायगी

शक्ति के गलत प्रयोग से { सामुदायिक सहभागिता घटती है
जनता का प्रशासन पर से विश्वास कमजोर होता है।

उदा०- बिहार में IPS अधिकारी द्वारा शक्ति का दुरुपयोग करते हुए रात में एक बजे महिलाओं के कमरों में घुसकर तोड़-फोड़ करना।

निष्कर्षतः शक्ति दोधारी तलवार की तरह है। यदि सकारात्मक प्रयोग किया गया तो वरदान है अन्यथा अभिशाप बन सकती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (a) विशेष रूप से हाल के दिनों में अंतरिक्ष अन्वेषण में निजी क्षेत्रक के प्रवेश को देखते हुए, वाणिज्यिक अंतरिक्ष अन्वेषण के नैतिक निहितार्थों का विश्लेषण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दें)

Analyse the ethical implications of commercial space exploration, especially with the entry of private sector in recent times. (Answer in 150 words) 10

हाल में निजी क्षेत्रक के अंतरिक्ष में पहुँचने पर PPP मॉडल के तहत अंतरिक्ष अन्वेषण को बल मिला है तो साथ ही कुछ चुनौतियाँ भी उत्पन्न होने की संभावना है।

वाणिज्यिक अंतरिक्ष अन्वेषण के नैतिक निहितार्थ

① स्वहित बनाम सार्वजनिक हित

नैतिक निजी क्षेत्रक → अंतरिक्ष क्षेत्र की गोपनीय जानकारी को लीक नहीं करेगा

भ्रष्ट आचरण परकंपनी → गोपनीय जानकारी के लीक होने का खतरा → भारत की अखंडता, संप्रभुता को चुनौती

② लाभ बनाम पर्यावरण हित

कंपनी यदि लाभ पर केन्द्रित हो तो → उपग्रहों का तेज प्रक्षेपण

पर्यावरण को ध्यान में रखकर लॉन्चिंग।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

↓

जिससे अंतरिक्ष कचरे की समस्या उत्पन्न हो सकती है।

③ देश की सुरक्षा बनाम निजी लाभ

यदि निजी कंपनी ने देश की सुरक्षा से समझौता किया तो

↓

भारत की अंतरिक्ष कूटनीति व Soft power खतरे में

मन्यथा निजी कंपनी बेहतर तकनीक व पूंजी सहायता प्रदान कर सकती है।

निष्कर्षतः निजी क्षेत्रक को कुछ आवश्यक शर्तों व कानूनी बाध्यकारी अपेक्षाओं पर ही अंतरिक्ष क्षेत्र में प्रवेश दिया जाना चाहिए। यही भारत की सक्षम अंतरिक्ष कूटनीति की पहचान होगी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(b)** यद्यपि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) में हमारी दुनिया को मौलिक रूप से बदलने और उसे अस्त-व्यस्त करने की क्षमता है, तथापि सही नैतिक विकल्प AI को मानवता के लिए अच्छाई का एक प्रेरक बना सकते हैं। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दें)

While Artificial Intelligence (AI) has the potential to radically transform and disrupt our world, the right ethical choices can make AI a force of good for humanity. Discuss with examples. (Answer in 150 words) 10

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का तात्पर्य है कि जब मशीनें मानव की तरह कार्य करने में सक्षम हो जायें।
जैसे – हाल ही में OPENAI द्वारा विकसित चैट जीपीटी

कृत्रिम बुद्धिमत्ता – दो धारी तलवार के रूप में

(1) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

नकारात्मक
जैसे- पोर्नोग्राफिक कंटेंट बनाना, महिलाओं का डिजिटल यौन शोषण करना

सकारात्मक
↓
जैसे- दिल्ली सरकार ने अपने स्कूलों में देशभक्ति पाठ्यक्रम (AI आधारित) लागू किया है।

(2) आधारभूत संरचना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आधारभूत संरचना

नकारात्मक

जैसे - रूस-यूक्रेन युद्ध में AI का प्रयोग करके भीषण हिंसा।

सकारात्मक

- रोबोटिक सर्जरी

जैसे- गुजरात के डॉ० तेजस पटेल ने 32 km दूर से हृदय प्रत्यारोपण किया था।

③ AI

फेक न्यूज फैलाकर दंगे कराने में

↓

जैसे- दिल्ली के दंगे 2020

- भारत की एकता/अखंडता सुनिश्चित करने में
- महामारी/रोगों/भूकंप की भविष्यवाणी

↓

लोगों का जीवन सुरक्षित

निष्कर्षतः AI का प्रयोग सकारात्मक अर्थों में करके गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार (Art 21) सुनिश्चित किया जा सकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (a) 'सामाजिक जवाबदेही' पद से आप क्या समझते हैं? इसके महत्व की व्याख्या कीजिए और किसी भी सामाजिक जवाबदेहिता संबंधी पहल की सफलता हेतु उत्तरदायी प्रमुख कारकों पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दें)

What do you understand by the term 'social accountability'? Explain its significance and discuss critical factors responsible for the success of any social accountability initiative. (Answer in 150 words) 10

सामाजिक जवाबदेही का अर्थ है - जब विवेकाधीन शक्ति से निर्णय करने पर उसका स्पष्टीकरण जनता को देना तथा पर्याप्त व्याख्या न कर पाने पर उसे दंड का भागी होना पड़े।

जैसे- मनरेगा परियोजना में परिसंपत्तियों के निर्माण में सामाजिक जवाबदेही सुनिश्चित करने हेतु जियो टैगिंग की व्यवस्था की गई है।

सामाजिक जवाबदेही का महत्त्व

1. पारदर्शिता में वृद्धि
2. गोपनीयता की संस्कृति से पारदर्शिता व खुलेपन की संस्कृति (II ARC)
3. संसाधनों का उपयुक्तम प्रयोग
4. अधिकतम जन कल्याण।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सामाजिक जवाबदेही की सफलता हेतु उत्तरदायी कारक-

① जनता की प्रशासन में अधिकतम भागीदारी

RTI, सिटीजन चार्टर, CPGRAMS, Social Auditing

② विकेन्द्रीकरण

③ जनता तक पर्याप्त सूचनाओं की पहुँच

④ जागरूक जनता

⑤ प्रशासन-जनता संबंधों में निकटता

जैसे- कोरोना काल में पुलिस द्वारा केक कटवाकर बर्थडे मनाने जैसे प्रयास

निष्कर्षतः सामाजिक जवाबदेही के साथ-साथ सत्यनिष्ठा व सामुदायिक सहभागिता की भी आवश्यकता है ताकि सबका साथ, सबका विश्वास सुनिश्चित हो सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (b) भ्रष्टाचार लोकतंत्र के समक्ष एक चुनौती है और भ्रष्टाचार के बारे में नागरिकों के अनुमान इसकी व्यापकता और नुकसानदेहता के मुख्य मानदंडों में से एक है। चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दें)

Corruption is a challenge to democracy and citizens' estimations of corruption are one of the main criteria for its wideness and harmfulness. Discuss. (Answer in 150 words) 10

किसी लोक सेवक द्वारा अनाधिकृत धन, उपहार आदि के लालच में अपने पद की शक्तियों का दुरुपयोग करना, भ्रष्टाचार कहलाता है।

जैसे- 2G घोटाला, स्पेक्ट्रम घोटाला आदि

भ्रष्टाचार : लोकतंत्र के समक्ष चुनौती कैसे?

① वंचित वर्गों तक सरकार की योजनाओं का लाभ नहीं

(उदा०- शांता कुमार कमेटी ने कहा है कि PDS में 40-50% लीकेज होता है।)

② सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग

राजीव गांधी- जब 100 पैसे यहाँ से भेजे जाते हैं तो जनता तक मात्र 25 पैसे ही पहुँचते हैं।

③ सुशासन व नागरिक केन्द्रित प्रशासन तक पहुँच सुनिश्चित नहीं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भ्रष्टाचार के मुख्य मानदंड

① सामाजिक स्वीकृति मिल जाना
(जैसे- समाज में धन, केन्द्रीय महत्त्व की वस्तु बन गया है।

② नागरिकों का अपना काम जल्दी करवाने के लिए बाबूओं के बिना कहे उनकी मेज पर पैसे रख देना (चाप-पानी के)

③ उपभोक्तावादी संस्कृति का विस्तार

निष्कर्षतः II ARC ने भ्रष्टाचार पर रोक लगाने हेतु प्रशिक्षण, सामुदायिक सहभागिता तथा नागरिक केन्द्रित प्रशासन (रिपोर्ट-12) पर बल दिया है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (a) घर से काम करने की संस्कृति ने निजी संगठनों में कई नैतिक चिंताएं उत्पन्न की हैं। इसके आलोक में, क्या आपको लगता है कि किसी कर्मचारी के लिए मूनलाइटिंग (दो नौकरियां करना) नैतिक है? चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दें)

Work from home culture has led to many ethical concerns in private organizations. In light of this, do you think it is ethical for an employee to practice moonlighting? Discuss. (Answer in 150 words) 10

मूनलाइटिंग का अर्थ है कि एक पेशे में काम करते हुए नियोजक को बिना बताये अतिरिक्त आय हेतु साइड जॉब करना।

जैसे- हाल ही में विप्रो और इन्फोसिस की घटनाएँ

घर से काम करने की संस्कृति से नैतिक चिंताएँ

1. कार्य क्षमता प्रभावित होना
2. स्वहित बनाम संगठन के हित
3. अतिरिक्त आय हेतु साइड जॉब करना जैसे मूनलाइटिंग
4. संगठन की उत्पादकता प्रभावित तथा नुकसान की संभावना

किसी कर्मचारी का मूनलाइटिंग करना

नैतिक — अनैतिक

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

नैतिक कैसे?

- बढ़ती मुद्रास्फीति में अपने परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु
- अतिरिक्त आय
- ज्यों ब्रौड्रीआ का विचार (I consume/ shop therefore I am)

अनैतिक कैसे?

- स्वास्थ्य समस्याएँ (थकान / अवसाद)
- उत्पादकता व कार्य दक्षता प्रभावित जिससे संगठन को नुकसान
- संगठन को बिना बताये करना भी अनैतिक है।

निष्कर्षतः गिग

अर्थव्यवस्था के दौर में मूनलाइटिंग के प्रभाव को सीमित करने हेतु प्रभावी कानून व नियम बनाने की आवश्यकता है। हाँ; किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता पर अनावश्यक प्रतिबंध भी नहीं लगाये जाने चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (b) क्या आप इस दृष्टिकोण से सहमत हैं कि पर्यावरण, सामाजिक और अभिशासन (ESG) संबंधी विचार एक निगम के लिए उसके व्यवसाय हेतु अत्यधिक मूल्य सृजित करते हैं? (150 शब्दों में उत्तर दें)

Do you agree with the view that environmental, social, and governance (ESG) considerations for a corporation create immense value for the business? (Answer in 150 words) 10

कॉर्पोरेट गवर्नेंस के तहत किसी कंपनी को चलाने के तरीके, सिद्धांत व नियम शामिल होते हैं जिनमें अनिवार्यतः नैतिक पक्षों को शामिल किया जाता है।

जैसे - CSR का प्रावधान

पर्यावरण, सामाजिक और अभिशासन संबंधी विचार सहायक कैसे?

इसके माध्यम से सामाजिक, आर्थिक, पर्यावरणीय जिम्मेदारियों को निभाते हुए लाभ कमाने की इच्छा शामिल होती है।

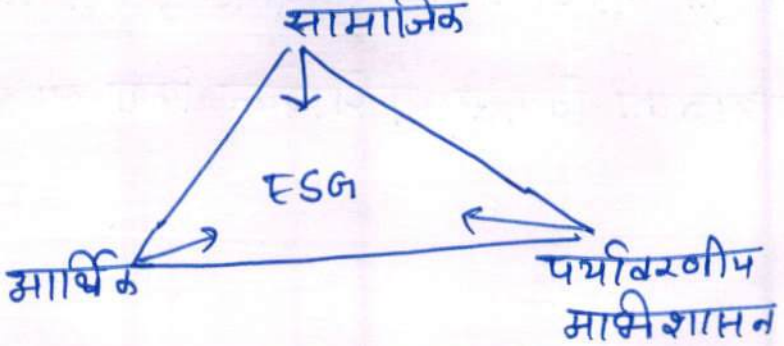

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उदा० ①

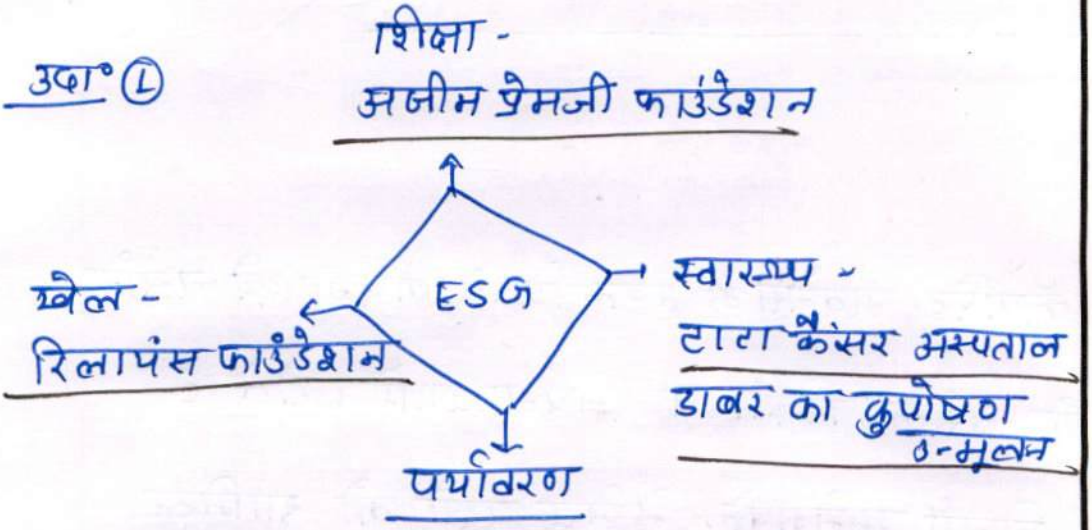

- भारत पेट्रोलियम का बूंद कार्यक्रम
- बजाज फाउंडेशन का जल संरक्षण

② ESG मानक लाभ के साथ-साथ सतत व समावेशी विकास की सुनिश्चित करते हैं।

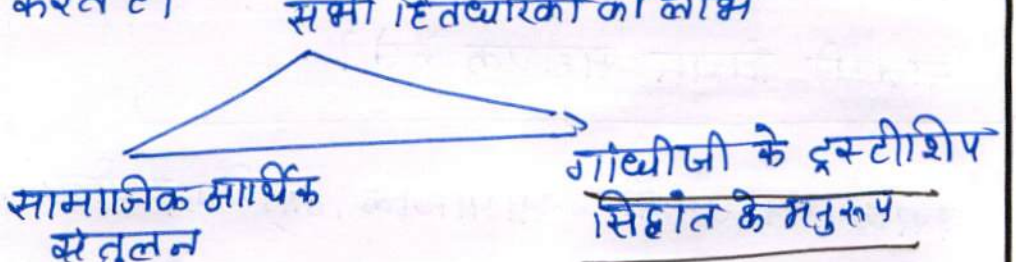

निष्कर्षतः सभी हितधारकों को साथ लेकर चलते हुए ही सबका साथ सबका विकास सुनिश्चित किया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (a) हालांकि अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए कई संस्थान कार्यरत हैं, फिर भी, राष्ट्र अपने हितों की पूर्ति हेतु अक्सर नैतिक मूल्यों और इन संस्थानों के दिशा-निर्देशों की उपेक्षा कर देते हैं। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दें)

While there are multiple institutions to ensure fairness in international relations, states often put aside moral values and the directions of these institutions for their own interests. Discuss with examples. (Answer in 150 words) 10

किसी देश के संस्थान, व्यक्तियों आदि के दूसरे देश के संस्थान, नागरिकों आदि के प्रति क्या कर्त्तव्य होते हैं और कैसा व्यवहार होना चाहिए, इसे ही अंतरराष्ट्रीय नैतिकता कहा जाता है।

अंतरराष्ट्रीय संबंधों में संस्थानों की उपेक्षा करके अपने हितों की पूर्ति

① पर्यावरणीय मामलों में -

उदा॰ - COP-26 में भी विकसित देशों द्वारा जो 100 अरब डॉलर देने की प्रतिबद्धता की गई थी उसे पूरा नहीं किया गया।

② रक्षा मामलों में

जैसे - हाल ही में चल रहे रूस - यूक्रेन

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

युद्ध ने
- मुद्रास्फीति का वैश्वीकरण
- आपूर्ति शृंखला संकट
- आधारभूत संरचना की क्षति

⇒ मानवता पर संकट

③ शरणार्थी मामले
जैसे - रोहिंग्या शरणार्थी संकट

④ गहरे समुद्र, अंटार्कटिक आदि क्षेत्रों पर ~~के~~ चीन की 9 dash line

⑤ कोरोना काल के समय WHO के दिशानिर्देशों को न मानकर विकसित देशों ने वैक्सीन को पेटेंट कराया।

निष्कर्षतः ग्लोबल वर्ल्ड/ गवर्नेंस में समस्याएँ भी ग्लोबल हैं जैसे - जलवायु परिवर्तन, महामारी, सीमा पार आतंकवाद तथा इनका समाधान भी ग्लोबल रूप में ही सहयोग करके संभव है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (b) विदेशी वित्त-पोषित अनुसंधान परियोजना के तहत विकासशील देशों में किए जाने वाले चिकित्सा अनुसंधान से उत्पन्न हो सकने वाले विभिन्न नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दें)

Discuss the various ethical issues that can arise when a foreign-funded research project conducts medical research in developing countries. (Answer in 150 words)10

चिकित्सा अनुसंधान के तहत किसी दवाई या टीके को बाजार में जारी करने से पहले जनसंख्या के सीमित भाग पर उसका ट्रायल किया जाता है।

जैसे - कोरोना के टीके का चिकित्सा अनुसंधान

चिकित्सा अनुसंधान से उत्पन्न होने वाले नैतिक मुद्दे

① NGO's के वित्त पोषण के माध्यम से विकासशील देशों की जनता को सरकार के खिलाफ उकसाना → देश की एकता, अखंडता को चुनौती।

② किसी दवाई का ट्रायल गरीब जनता पर

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

बिना उनकी पूर्व सहमति लिए हुए करना जो नैतिक रूप से अनुचित है।

③ किसी दवाई का ट्रायल पूरा किए बिना उसे बाजार में उतार देने से जनता के जीवन पर संकट उत्पन्न हो सकता है।

जैसे- हाल ही में गाम्बिया में कफसीरप पीने से कई बच्चों की मृत्यु हो गई।

④ स्वहित बनाम सार्वजनिक हित

जैसे- नकली उत्पाद / दवाईयाँ बेचकर हरियाणा की मुनाफा कमाने वाली कंपनी

निष्कर्षतः विदेशी

वित्त पोषण का उद्देश्य चिकित्सा क्षेत्र में R&D बढ़ाने के लिए होना चाहिए ताकि जनकल्याण सुनिश्चित हो सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (c) गुरु नानक देव की महत्वपूर्ण शिक्षाओं पर चर्चा कीजिए जो आज के युवाओं के लिए प्रासंगिक हैं। (150 शब्दों में उत्तर दें)

Discuss the important teachings of Guru Nanak Dev relevant to the youth of today. (Answer in 150 words) 10

गुरु नानकदेव भक्तिकाल की निर्गुण धारा के प्रमुख ज्ञानाश्रयी कवि हैं। जिन्होंने समानता, धार्मिक सहिष्णुता पर अत्यधिक बल दिया।

गुरु नानक देव की शिक्षाएँ व उनकी प्रासंगिकता

① गुरु ग्रंथ साहिब की पंक्ति -

"सच और सत जुगाद द सच हैवी सच नानक होसी वी सच"

(मैं भी सच तू भी सच)

प्रासंगिकता- वर्तमान सांप्रदायिक हिंसाओं को रोकना व युवाओं को धार्मिक सहिष्णुता का पाठ पढ़ाना

② सीमित इच्छाएँ एवं भावनाओं पर नियंत्रण

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रासंगिकता- वर्तमान में लिव-इन-रिलेशनशीप में श्रद्धा-आफताब हत्याकांड जैसे मुद्दों को रोकने हेतु।

- उपभोक्तावादी संस्कृति में विशेष रूप से प्रासंगिक

③ गुरुनानक देव ने बाँटकर खाने और दूसरों की पीड़ा कम करने के लिए हर सम्भव प्रयास करना

प्रासंगिकता- रांची के IAS छवि यादव भूमि घोटाले तथा पूजा सिंघल जैसे भ्रष्ट अधिकारियों को कर्तव्य का पाठ सिखानेहेतु।

निष्कर्षतः II ARC की चौथी रिपोर्ट (शासन में नैतिकता) ध्यान से देखने पर गुरुनानक देव की गुरुवाणी का ही सार दिखाई देती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION B

निम्नलिखित प्रश्नों में, प्रस्तुत प्रकरणों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उनके आगे आने वाले प्रश्नों के उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्दों में):

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

7. पिछले कुछ समय से, दुनिया भर में व्यावसायिक समाचार बड़े पैमाने पर छंटनी, विशेष रूप से प्रौद्योगिकी फर्मों और नए युग के स्टार्ट-अप्स जैसी खबरों से भरे पड़े हैं। यह तब है जब कुछ समय पहले तक, स्टार्ट-अप्स के लिए हर जगह एंजेल इन्वेस्टर्स, वेंचर कैपिटल फर्म, प्राइवेट इक्विटी और अन्य से असीम धन एवं फंडिंग मिल रही थी। ऐसा लगता है कि अब धन की यह प्राप्ति अचानक बंद हो गई है। रिकॉर्ड वैल्यूएशन और पारितोषिक संबंधी खबरों की जगह कर्मचारियों की बड़े पैमाने पर हो रही छंटनी ने ले ली है। स्टार्ट-अप्स और प्रौद्योगिकी फर्मों के संस्थापक अपने उद्यमों की लाभप्रदता सुनिश्चित करने और अपने निवेशकों एवं शेयरधारकों के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करने की अपनी जिम्मेदारी के मद्देनजर इस कार्य को सही ठहरा रहे हैं। दिया जा रहा तर्क सतत विकास और लाभप्रदता सुनिश्चित करने से संबंधित है। हालांकि, यह सर्वविदित है कि वर्तमान स्थिति के लिए खराब और गैर-जिम्मेदाराना निर्णयन श्रृंखला उत्तरदायी है। दुर्भाग्य से इसका परिणाम नौकरी में प्रवेश करने वाले नए और मध्यम स्तर के कर्मचारियों को भुगतना पड़ रहा है।

इस संदर्भ में, निम्नलिखित के उत्तर दीजिए:

(a) हाल ही में बड़े पैमाने पर नए युग के स्टार्ट-अप्स में हुई छंटनी से संबंधित हितधारकों और नैतिक मुद्दों का उल्लेख कीजिए।

(b) उच्च स्तरीय प्रबंधन द्वारा इस तरह के गैर-जिम्मेदार आचरण के लिए, विशेष रूप से भारत में हो रहे स्टार्ट-अप्स में, उत्तरदायी कारणों की पहचान कीजिए।

(c) उपर्युक्त समस्याओं से निपटने के लिए कुछ उपायों का सुझाव दीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दें)

For some time now, business news across the world has been filled with reports of massive layoffs taking place, particularly in technology firms and new-age startups. This, when only till a while ago, limitless money and funding were flowing to startups from all over - Angel Investors, Venture Capital firms, Private Equity, and so on. The money tap seems to have been suddenly closed now. What has replaced the news of record valuations and remunerations, is that of massive firing of employees. The founders of startups and technology firms are justifying the exercise in wake of their responsibility to ensure profitability of their ventures and their accountability towards their investors and shareholders. The argument being advanced pertains to ensuring sustainable growth and profitability. However, it is well known that behind the present scenario lie a series of poor and irresponsible decision-making. But it is the entry and middle-level employees who are unfortunately being made to bear the brunt of it.

In this context, answer the following:

(a) Mention the stakeholders and ethical issues surrounding the recent mass layoffs in new age startups.

(b) Identify the reasons behind such irresponsible conduct by higher management, particularly in startups in India.

(c) Suggest some measures to tackle the aforementioned problems. (Answer in 250 words) 20

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपरोक्त केस स्टडी वर्तमान युग में स्टार्टअप्स में लाभान्यता के कारण नौकरियों में बड़े पैमाने पर छँटनी से संबंधित है जिस कारण मध्यम आदमी पर माप का संकट उत्पन्न हो रहा है।

नैतिक दुविधाएँ

① स्वहित बनाम सार्वजनिक हित

② लालच बनाम लाभ

③ भावनात्मक बुद्धिमत्ता बनाम Hier & fire poliy

④ नैतिकता बनाम लाभान्यता (profit blindness)

(a) हितधारक

(i) स्टार्ट-अप्स - जो बड़े पैमाने पर अपने कर्मचारियों की छंटनी कर रहे हैं।

(ii) एंजेल इन्वेस्टर्स, प्राइवेट इक्विटी धारक जैसे निवेशक जो निवेश से लाभ कमाना चाहते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) कर्मचारी - जो छंटनी से आजीविका के संकट से जूझ रहे हैं।

(iv) शेयरधारक - जिन्होंने कंपनी में शेयर खरीदे हैं।

(v) समाज

नैतिक मुद्दे

1. लाभ पर अधिक बल किन्तु गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार (Art 21) की उपेक्षा
2. आजीविका पर संकट
3. लालच को सर्वोपरि महत्व
4. CSR जैसी सामाजिक जिम्मेदारियों को न मानना
5. काम के अधिकार की अवहेलना (Art 21)

b भारत में इस तरह के आचरण के

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

लिए जिम्मेदार कारक -

① उपभोक्तावादी संस्कृति जिसमें धन, केन्द्रीय महत्त्व की वस्तु है।

② नई प्रौद्योगिकी के कारण अत्यधिक कार्य दबाव न झेल पाने वाले कर्मचारियों से छुटकारा पाना।

③ AI के प्रयोग से मशीनों की सहायता से कार्य करना

④ स्टार्टअप्स की प्रारंभिक सफलता पर संशय तथा दीर्घकालीन रणनीति का अभाव।

⑤ लाभ को सार्वजनिक हितों की तुलना में अत्यधिक महत्त्व देना।

[C] इन समस्याओं से निपटने हेतु उपाय -

तात्कालिक उपाय -

① छंटनी किये कर्मचारियों की आजीविका

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हेतु वैकल्पिक रोजगार की व्यवस्था।

③ अप्रशिक्षित कार्यबल को प्रशिक्षित करना जैसे - कौशल विकास कार्यक्रम

③ स्टार्टअप्स को लिखित नोटिस भेजना ताकि एक सीमा से अधिक छंटनी न की जाये।

दीर्घकालिक कदम -

① स्टार्टअप्स के लिए राष्ट्रीय योजना तैयार करना

② सभी हितधारकों के साथ मिलकर संवाद कायम करना।

निष्कर्षतः सतत व समावेशी विकास सुनिश्चित करने हेतु लोगों को व्यावसायिक शिक्षा (NEP, 2020) से जोड़ने की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. रूपा एक युवा लोक सेवक है और अपनी संतान के जन्म के तुरंत बाद और बिना अपने मातृत्व अवकाश को पूरा किए काम पर लौट आई है। हालांकि, उसने अपने बच्चे को कार्यालय में लाना शुरू कर दिया और वह बच्चे को गोद में लेकर बैठकों में भाग लेने लगी है। उसकी कुछ तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर अपलोड की गईं। कुछ लोग उसकी एक युवा व स्वतंत्र कार्यशील माता के रूप में प्रशंसा कर रहे हैं जबकि अन्य उसके द्वारा आधिकारिक कृत्यों को कम महत्व देने तथा अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों कर्तव्यों को पूरा करके एक साहसिक तस्वीर प्रस्तुत करने के प्रयास के कारण उसकी आलोचना भी कर रहे हैं।

इस संदर्भ में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) क्या आपको लगता है कि अधिकारी का कृत्य उचित था? क्या एक लोक सेवक के व्यक्तिगत और व्यावसायिक कर्तव्यों के बीच ओवरलैप होना चाहिए?

(b) क्या भारत में कार्य संस्कृति कार्यशील माताओं को उनकी दोहरी भूमिका निभाने से रोकती है? (250 शब्दों में उत्तर दें)

Rupa, a young civil servant, rejoined work soon after giving birth to her child and without availing her full maternity leave. However, she began to bring her child in the office and started attended meetings with her child in arms. Some of her photographs were also uploaded on social media. While some are hailing her as a young independent working mother, she is also being criticized by others on account of trivialising her official work and of trying to paint a heroic picture by fulfilling both her personal and professional duties.

In this context, answer the following the questions:

(a) Do you think the act of the officer was justified? Should there be an overlap between personal and professional duties of a civil servant?

(b) Does the work culture in India hinder working mothers from fulfilling their dual role? (Answer in 250 words) 20

हाल ही में उ० प्र० कैडर की IAS सौम्या पांडे ने अपना मातृत्व अवकाश छोड़कर कोरोना काल में अपनी प्रशासनिक जिम्मेदारियों को पूरा किया था।

हितधारक

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

रूपा (लोकसेवक)

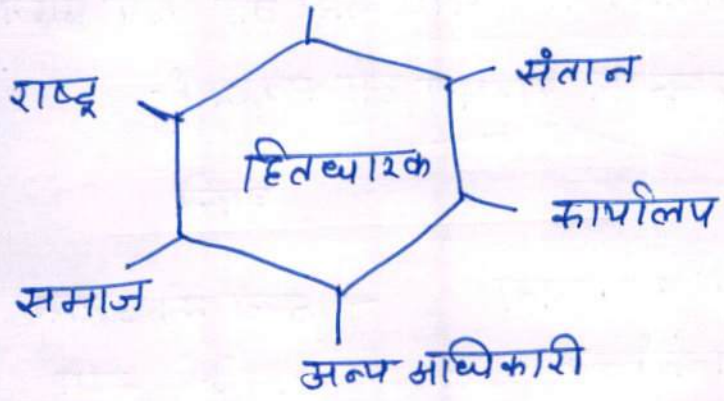

नैतिक मुद्दे -

① संतान की परवरिश व जीवन का अधिकार (Art-21)

② अपनी ड्यूटी को निभाना

③ आलोचना झेलते हुए एक सफल प्रशासक की भूमिका प्रस्तुत करना

नैतिक दुविधा

① संतान का हित बनाम कार्पोरेट का हित

② मातृत्व अवकाश बनाम उत्तरदायित्व की भावना

③ आलोचना बनाम निष्पक्षतापूर्ण कार्य

④ परिवार बनाम समाज को महत्व

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) मेरे दृष्टिकोण से अधिकारी का कार्य निम्न सारणी के अनुसार समझा जा सकता है-

लाभ	हानि
→ प्रशासन में कार्यदक्षता (क्योंकि लोकसेवक उपस्थित है)	→ बच्चे की उचित परवरिश तथा अधिकारी को परेशानी/स्वास्थ्य समस्या हो सकती है।
→ महत्वपूर्ण कार्यों में देरी नहीं	→ आलोचना से अधिकारी का मनोबल टूट सकता है।
→ सोशल मीडिया द्वारा अन्य अधिकारी भी उत्तरदायित्व हेतु मोटिवेट होंगे।	

अधिकारी ने व्यापक हितों को महत्व दिया तथा सार्वजनिक हितों को निजी हितों से ऊपर रखा है। अतः अधिकारी का कार्य उचित है हालाँकि ऐसा कार्य चुनौतीपूर्ण स्थितियों में ही किया जाना ज्यादा बेहतर होगा।

2nd part

→ एक लोकसेवक को व्यक्तिगत और

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

व्यावसायिक कर्तव्यों को अलग - अलग रखना चाहिए लेकिन यदि आवश्यकता पड़े तो निश्चय ही ओवरलैपिंग को ध्यान रखे बिना अपना उत्तरदायित्व निभाना चाहिए।

जैसे- असम की IAS कीर्ति जाजी ने कोरोना काल में अपनी शादी को 1 दिन में करके जिले की नीतियों की बागडोर अगले दिन ही संभाली

(b) भारत में कार्य संस्कृति के जटिल होने के कारण वर्तमान में भी महिलाओं का LFPR मात्र 22% तक सीमित रह गया है। (PLFS 2022 आँकड़े)

भारत की कार्य संस्कृति में चुनौतियाँ

① दोहरी भूमिका / सिंड्रोम

② व्यक्तिगत / घरेलू जीवन तथा सार्वजनिक जीवन की जिम्मेदारियों में संतुलन करना मुश्किल

③ महिलाओं को वेतन काटकर दिया जाता है।
(श्रम असमानता रिपोर्ट - महिलाओं की तुलना में पुरुषों को 60% अधिक वेतन भुगतान)

④ सामाजिक कलंक तथा आलोचना

कुछ कारक महिलाओं को मोटिवेट भी करते हैं

- सोशल मीडिया पर प्रशंसा
- अन्य अधिकारियों के उदाहरण
- सामाजिक सम्मान की चाहत

सुझाव

- ऐसी महिलाओं को सामाजिक सम्मान एवं प्रोत्साहन देने की आवश्यकता जैसे - कर में छूट, PM मन की बात में जिक्र
- सेमीनार आदि के माध्यम से SHG, NGO's के मध्य जागरूकता व क्षमता निर्माण

निष्कर्षत, ग्लोबल मैकेन्जी इंस्टीट्यूट ने कहा है कि यदि महिलाएँ बराबरी के स्तर पर कार्य करें तो GDP में प्रतिवर्ष 1.4% की वृद्धि होगी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. आप लगभग 15 वर्षों से एक प्रसिद्ध व्यावसायिक सलाहकार कंपनी में काम कर रहे हैं और आपको वरिष्ठ कार्यकारी स्तर पर पदोन्नत किया गया है। मीरा नाम की आपकी एक कनिष्ठ सहकर्मी है, जिसे आप समय-समय पर सलाह देते रहे हैं। आपके मार्गदर्शन के साथ-साथ उसने कंपनी में जो समय और सहयोग दिया है, उसने उसे संगठन में पेशेवर रूप से तेजी से उन्नति करने हेतु प्रेरित किया है। काम का माहौल भी उसके विकास के अनुकूल रहा है। इस बीच, मीरा की माता पिछले कुछ वर्षों से बीमार हैं और उन्हें चिकित्सीय देखभाल की आवश्यकता है। समय के साथ उसके चिकित्सीय व्यय में भी तेजी से वृद्धि हो रही है।

हाल ही में, मीरा को आपके बॉस द्वारा यौन उत्पीड़न के एक असहज अनुभव का सामना करना पड़ा, जिसके बारे में उसने कंपनी के मानव संसाधन विभाग (HRD) को तुरंत सूचना दी। संबंधित बॉस का कंपनी की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान रहा है और वह कंपनी के भीतर एवं बाहर भी अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। उन्होंने मीरा को इस मुद्दे के निपटारे के लिए अप्रत्यक्ष रूप से एक बड़ी राशि की पेशकश की है। अगर मीरा उसके प्रस्ताव को स्वीकार कर लेती है, तो उसे एक गैर-प्रकटीकरण समझौते पर हस्ताक्षर करना होगा जो मीरा को इस मुद्दे को फिर से खोलने या इसके बारे में चर्चा करने से रोकता है। मीरा को पता चला है कि संबंधित बॉस पहले भी इस तरह की हरकतों में शामिल रहा है। कंपनी में उसके पद और उसके संबंधों को देखते हुए, मीरा को लगता है कि वह भविष्य में उसके करियर के लिए खतरा हो सकता है। लेकिन उसे पैसों की भी सख्त आवश्यकता है।

दी गई परिस्थितियों में, निम्नलिखित के उत्तर दीजिए:

(a) इस मामले में शामिल मुख्य हितधारकों की पहचान कीजिए।

(b) उपर्युक्त मामले में सत्यनिष्ठा और नैतिकता से संबंधित मुद्दों पर प्रकाश डालिए।

(c) मीरा के पास कौन-से अन्य विकल्प उपलब्ध हैं? उसे किस विकल्प का चयन करना चाहिए और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दें)

You have been working in a well-known business consultancy company for nearly 15 years and have been promoted to a senior executive level. You have a junior colleague, named Meera, whom you have been mentoring from time to time. The time and effort she has invested in the company along with your guidance has led her to rapidly grow professionally in the organisation. The work environment has also been conducive for her growth. Meanwhile, Meera's mother has been ill and requiring medical attention for the past few years. Her medical bills have been increasing rapidly over time.

Recently, Meera encountered an uncomfortable experience of sexual advances at the hands of your immediate boss, which she reported to Human Resources Department (HRD) of the company instantly. The concerned boss has been instrumental in the success of the company and is also well-connected within the company and beyond. He has indirectly offered a large amount for the settlement of this issue to Meera. If Meera accepts his offer, she will have to sign a non-disclosure agreement that restricts her from re-opening the issue or even discussing about it. She came to know that the concerned boss has been involved in similar acts earlier as well. Given his position in the company and his connections, Meera feels that he could be a threat to her career in the future. She is also in dire need of money.

In the given circumstances, address the following:

(a) Identify the main stakeholders involved in this case.

(b) Highlight the issues related to integrity and ethics in the case above.

(c) What are the various options available to Meera? Which option should she choose and why? (Answer in 250 words) 20

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपरोक्त केस स्टडी कंपनी के लाभ बनाम नैतिकता जैसे मुद्दों पर आधारित है। जिसमें महिला यौन उत्पीड़न का मुद्दा शामिल है।

नैतिक दुविधाएँ -

① स्वहित बनाम सार्वजनिक हित

② लाभ बनाम नैतिकता

③ साहस बनाम कायरता

④ भावनात्मक समझ बनाम कायरता

[a] हितधारक -

(i) मैं - कंपनी के वरिष्ठ कार्यकारी पद पर कार्यरत

(ii) मीरा - मेरी कनिष्ठ सहकर्मी जो यौन उत्पीड़न की शिकार है

(iii) मीरा की माता - जो बीमार है

(iv) बॉस - जिसने यौन उत्पीड़न किया है

(v) मानव संसाधन विभाग

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(v) अन्य स्टाफ (पुरुष एवं महिलाएँ)

(vi) समाज तथा ऑफिस – जो यौन उत्पीड़न की घटना से प्रभावित होगा

[5] सत्यनिष्ठा और नैतिकता से संबंधित मुद्दे

(i) महिला के गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार (मीरा) (अनु० 21)

(ii) आजीविका का अधिकार (Art 21)

(iii) यौन उत्पीड़न के विरुद्ध अपनी आवाज उठाना।

(iv) मामले की सत्यनिष्ठा से कार्यवाही व जाँच सुनिश्चित करना।

(v) मीरा के साथ उसका कॅरियर व माँ के जीवन का अधिकार (Art 21)

(c) मीरा के पास विकल्प एवं उनका मूल्यांकन

विकल्प	पक्ष (लाभ)	विपक्ष (हानि)
1. अपने कैरियर व माँ के इलाज के लिए चुपचाप हो जाये व समझौते पर हस्ताक्षर कर दे	1. इससे मीरा के कैरियर पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। • पैसों से माँ का इलाज भी हो जायेगा।	• मीरा का आत्मसम्मान खत्म हो जायेगा • भविष्य में इस प्रकार की घटना पुनः होने की संभावना
2. मानव संसाधन विकास से इस मामले में त्वरित कार्यवाही का निवेदन करे तथा बॉस को सजा दिलाये	• इससे मीरा को न्याय मिलेगा तथा उसके आत्मसम्मान को बल मिलेगा। • ऐसी घटनाओं पर रोक लगेगी	• मीरा की नौकरी जा सकती है। • बीमार माँ को इलाज नहीं मिल पायेगा।
3. मीरा वहाँ से जॉब छोड़कर किसी अन्य संस्थान में जॉब कर ले	• इससे मीरा उस बात को भूलकर कहीं और कैरियर बना सकती है।	• इस तरह की घटनाओं की वृद्धि • मीरा के स्वाभिमान पर चोट व ~~बदनामी~~ बदनामी का डर
4. मामले को मीडिया के सामने लाकर कार्यवाही करे	• मीरा को न्याय मिल सकता है	• मीरा की निजता का हनन व बदनामी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मेरे दृष्टिकोण से मीरा को अपने मूल्यों पर दृढ़ रहते हुए विकल्प ② को अपनाना चाहिए क्योंकि

① बॉस के खिलाफ कार्यवाही से मीरा को न्याय मिलेगा भले ही इससे मीरा की नौकरी जा सकती है लेकिन यदि मीरा का स्वाभिमान खत्म तो मीरा के लिए किसी बात का कोई मूल्य नहीं रहेगा।

② आगामी घटनाओं पर रोक लगेगी तथा बॉस के खिलाफ यौन उत्पीड़न की कार्यवाही से अन्य महिलाओं के अधिकार सुनिश्चित (Art 21) होंगे।

निष्कर्षतः गरिमापूर्ण जीवन व स्वाभिमान को प्राथमिकता देनी चाहिए। तथा विभागों में विशाखा गाइडलाइन के अनुसार आंतरिक शिकायत कमेटी का अनिवार्य गठन किया जाये।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. आप हाल ही में एक फार्मास्यूटिकल कंपनी में शामिल हुए हैं वहां आपका पद रीजनल सेल्स मैनेजर का है। आपको एक वर्ष के लिए बिक्री लक्ष्य दिया गया है, जो आपके आकलन के अनुसार असामान्य रूप से अधिक है। हालांकि, बाजार का सर्वेक्षण करने पर, आपने पाया है कि प्रतियोगी ऐसे लक्ष्यों को प्राप्त कर रहे हैं। गहन विश्लेषण करने पर, आपको डॉक्टरों को उनके मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स द्वारा उपहार, भुगतान और आतिथ्य लाभ देने की अनैतिक प्रथाओं के बारे में पता चलता है। यह यूनिफॉर्म कोड ऑफ फार्मास्यूटिकल्स मार्केटिंग प्रैक्टिस द्वारा प्रतिबंधित है। आपने इस संबंध में नेशनल सेल्स मैनेजर से संपर्क किया लेकिन उन्होंने जारी किए गए लक्ष्यों को किसी भी कीमत पर प्राप्त करने का संकेत दिया है। आपने डॉक्टरों को अनैतिक प्रोत्साहन देने की प्रथा में शामिल न होते हुए एरिया सेल्स मैनेजर्स को अपने-अपने निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने इन प्रोत्साहनों और लाभों को दिए बिना लक्ष्यों को पूरा करने में असमर्थता संबंधी अपनी चिंताओं को व्यक्त किया है।

(a) इस संदर्भ में, आपके द्वारा किन नैतिक दुविधाओं का सामना किया जा रहा है?

(b) आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों के गुणों और दोषों पर चर्चा कीजिए? आप इन विकल्पों में से किसका और क्यों चयन करेंगे?

(c) फार्मास्यूटिकल क्षेत्रक के पास अपने उत्पादों के विपणन के लिए कौन-से नैतिक विकल्प उपलब्ध हैं? (250 शब्दों में उत्तर दें)

You have recently joined as a Regional Sales Manager of a pharmaceutical company and have been given a sales target for the year, which is unusually high as per your assessment. On surveying the market, however, you have observed that the competitors are achieving such targets. On a deeper analysis, you come across unethical practices of giving gifts, payments and hospitality benefits to doctors by their medical representatives. This is prohibited by the Uniform Code of Pharmaceuticals Marketing Practices. You contacted the National Sales Manager in this regard but he hinted at achieving the released targets at whatever cost. You directed the Area Sales Managers to meet their respective targets while not engaging in the practice of unethical incentives to the doctors. They have communicated their concerns regarding their inability to meet the targets without provision of these perks and benefits.

(a) What are the ethical dilemmas being faced by you in this context?

(b) Discuss the merits and demerits of the options available to you? Which of these will you choose and why?

(c) What are the ethical alternatives available to the pharmaceutical sector to market their products? (Answer in 250 words) 20

उपरोक्त केस स्टडी मेडिकल एथिक्स तथा यूनिफॉर्म कोड ऑफ फार्मास्यूटिकल्स मार्केटिंग प्रैक्टिस के उल्लंघन से संबंधित है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मैं (रीजनल सेल्स मैनेजर)

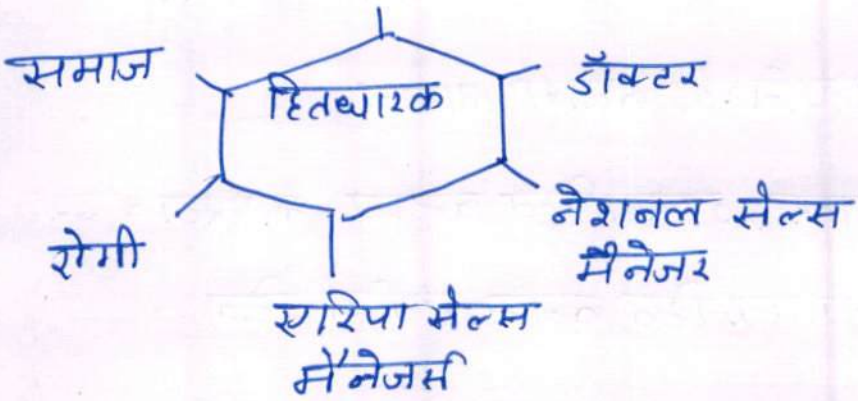

नैतिक मुद्दे -

① जीवन का माधिकार (Art 21)

② व्यावसायिक नैतिकता का उल्लंघन

③ डॉक्टर द्वारा मेडिकल एथिक्स का उल्लंघन

④ स्वहित को प्राथमिकता देना, सार्वजनिक हितों की तुलना में

(a) नैतिक दुविधाएँ

① स्वहित बनाम सार्वजनिक हित

② लाभ बनाम नैतिकता

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ भावनात्मक समझ बनाम कायरता।

④ सत्यनिष्ठा बनाम लालच

⑤ साहस, उत्तरदायित्व बनाम कायरता व डर

⑥ व्यापक हित बनाम संकीर्ण हित

⑥ मेरे पास उपलब्ध विकल्प व उनका मूल्यांकन

विकल्प	लाभ	हानि
1. डॉक्टरों को अनैतिक प्रोत्साहन लेते रहने देना व अपने लक्ष्य को पूरा करना	1. अपने बिक्री लक्ष्य पूरे करके मेरी पदोन्नति हो सकेगी 2. किसी काम में रुकावट नहीं आयेगी।	1. अनैतिक प्रथाओं से लोगों के जीवन को खतरा पहुँच सकता है।
2. सभी हितधारकों को संवाद में शामिल करना तथा मीडिया पर मामले को प्रकट करना	1. इससे उपभोक्ता जागरूक हो जायेंगे व स्वास्थ्य का अधिकार सुरक्षित 2. ~~कंपनी की साख खराब मेरी नौकरी पर संकट~~	• कंपनी की साख खराब • मेरी नौकरी पर संकट

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

	लाभ	हानि
3. अनैतिक प्रथाओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करना भले ही ब्रिकी लक्ष्य पूरे न होने के कारण नौकरी छोड़नी पड़े	• कानूनी कार्यवाही से अनैतिक प्रथाओं पर प्रतिबंध • उपभोक्ता व रोगियों के अधिकार सुरक्षित	• लक्ष्य पूरे न हो पाने पर नौकरी पर संकट

निश्चित रूप से मैं विकल्प ③ का चयन करूँगा क्योंकि

① मेरे हित निजी हित से बढ़कर सार्वजनिक हित हैं।

② इससे लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता मिलेगी व अनैतिक प्रथाओं पर रोक लगेगी।

③ डॉक्टरों के खिलाफ कार्यवाही से भावी डॉक्टर मेडिकल एथिक्स का पालन करेंगे।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(c) फार्मास्यूटिकल कंपनी के पास उत्पादों के विपणन के लिए नैतिक विकल्प -

① सोशल मीडिया पर उत्पाद की सही-सही जानकारी देकर प्रचार करना।

② Role Models, सच्चे डॉक्टरों आदि से एडवरटाइजिंग कराई जा सकती है।

③ कंपनी को सच्चे उत्पाद बेचकर पहले अपनी साख मजबूत करनी चाहिए ताकि ग्राहकों का भरोसा कंपनी पर मजबूत हो सके। eg- डाबर, हिमालय कंपनी आदि।

निष्कर्षतः किसी भी कंपनी को दीर्घकालिक लाभ सुनिश्चित करने हेतु अपने उत्पादों की गुणवत्ता पर अधिक निवेश व R&D करना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. लोक सेवकों को आमतौर पर सरकार की योजनाओं और नीतियों को पर्दे के पीछे रहकर संचालन करने वाले अभिकर्ताओं के रूप में माना जाता है। स्थायी कार्यकारी होने के नाते, इनसे उम्मीद की जाती है कि ये सुर्खियों में आए बिना अपने कार्यों का निर्वहन करें, जबकि यह राजनेताओं पर निर्भर है कि वे अपने राजनीतिक कृत्यों के लिए सुर्खियों में रहें। हालांकि, हाल के दिनों में एक प्रवृत्ति विकसित हो रही है जिनमें लोक सेवकों, विशेष रूप से युवा लोक सेवकों ने नियमित रूप से अपनी दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों को पोस्ट करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया है। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि कुछ अधिकारियों ने लोकप्रियता का वह स्तर हासिल कर लिया है जो भारत में मशहूर हस्तियों और प्रभावशाली लोगों के लगभग समान है।
सोशल मीडिया पर मौजूद इन अधिकारियों में से अधिकांश का तर्क है कि इससे उन्हें लोगों से जुड़ने में मदद मिलती है और युवा पीढ़ी को भी प्रेरणा मिलती है। हालांकि, कई वरिष्ठ लोक सेवक इस तरह की प्रवृत्ति का कड़ा विरोध करते हैं। उनका मानना है कि ऐसे अधिकारियों द्वारा साझा की गई कुछ सामग्री केवल पब्लिसिटी लेने के लिए होती हैं, ये लोक सेवाओं के 'सिद्धांतों' का उल्लंघन करती हैं और यहां तक कि उनके स्वयं के करियर के साथ-साथ समग्र रूप से सेवा के लिए भी हानिकारक हो सकती हैं। युवा अधिकारियों को विभिन्न माध्यमों से सलाह दी जा रही है कि वे अपनी छवि को फिल्मस्टार जैसा बनाने से बचें।

इस संदर्भ में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(a) लोक सेवकों द्वारा सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से जुड़े नैतिक मुद्दे क्या हैं?

(b) लोक अधिकारियों द्वारा सोशल मीडिया का प्रभावी ढंग से उपयोग कैसे किया जा सकता है? (250 शब्दों में उत्तर दें)

Civil servants are usually considered as the behind-the-scenes operators of plans and policies of the government. Being the permanent executive, they are expected to work without getting into the limelight while it is up to the politicians to hog the limelight for their political ends. But in recent times, a trend is developing where civil servants, especially younger ones, have taken to social media to post their day-to-day activities on a regular basis. Some studies suggest that some of the officers have attained a level of popularity that does not trail too far behind celebrities and influencers in India.
Most of these officers with social media presence argue that this helps them connect with the people and also inspire the younger generation. However, many senior civil servants strongly oppose such a trend. They believe that some of the content shared by such officers is excessively publicity-seeking, violates the 'principles' of the civil services, and may even be disadvantageous to their own career as well as the service as a whole. There have been calls from various quarters advising the young officers to desist from creating a filmstar like image of themselves.

In this context, answer the following questions.

(a) What are the ethical issues associated with the excessive use of social media by civil servants?

(b) How can social media be effectively utilized by public officials?(Answer in 250 words) 20

हाल ही के दिनों में IAS अभिषेक कुमार ने

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अपनी चुनावी ड्यूटी पर अपनी पोस्ट सोशल मीडिया पर साझा की थी जिसके कारण उन्हें ड्यूटी से हटाया गया था। यह केस स्टडी <u>अनामिकता</u> के मुद्दे पर केंद्रित है।

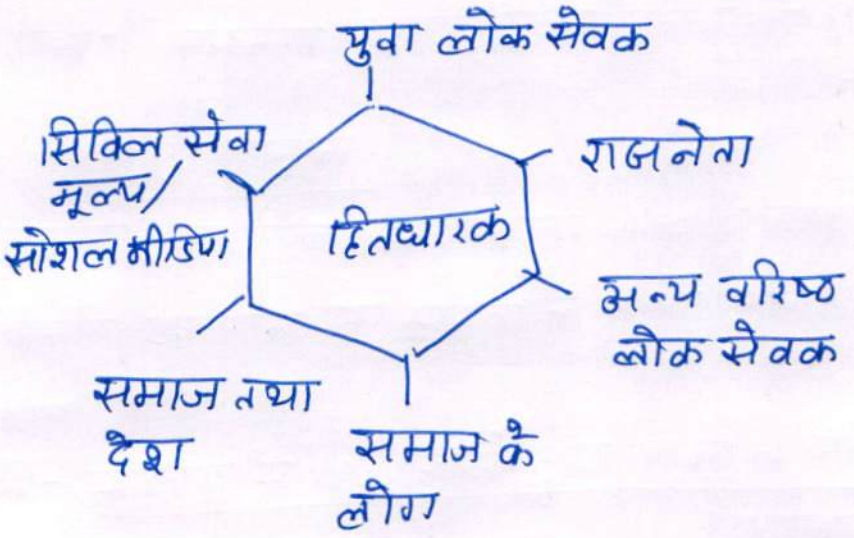

नैतिक दुविधा

① अनामिकता बनाम पब्लिसिटी

② कार्य बनाम प्रशंसा

③ व्यापक हित बनाम संकीर्ण हित

④ स्वहित बनाम सार्वजनिक हित

⑤ सत्यनिष्ठा बनाम कायरता

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) नैतिक मुद्दे -

(i) लोकसेवकों व राजनेताओं के बीच गठजोड़ की संभावना (इलेक्टोक्रेसी)

(ii) नेता - अधिकारी संघर्ष की संभावना

(iii) अनामिकता के आधारभूत मूल्य को चुनौती

(iv) सोशल मीडिया के दुरुपयोग का मुद्दा

(v) राजनेताओं पर निर्भरता

(vi) जनकल्याण सुनिश्चित करने में चुनौतियाँ।

(vii) पाब्लिसिटी के कारण सिविल सेवा के बुनियादी मूल्य व गोपनीयता प्रभावित

(b) सोशल मीडिया की आवश्यकता क्यों?

जन समस्याओं के त्वरित निपटान के लिए

जैसे - रामपुर के IAS अधिकारी रविन्द्र माँदड़ ने DM Rampur पेज के माध्यम से २५ घंटे में

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जनता की शिकायतों के समाधान हेतु सोशल मीडिया को अपनाया है।

(ii) ई-गवर्नेंस में गुणवत्तापूर्ण सेवाओं तक प्रभावी पहुँच
जैसे- सरकारी योजनाओं की जनता को जानकारी

(iii) स्मार्ट शासन
जिससे नागरिक सहभागिता में वृद्धि तथा अधिकारी/प्रशासन व जनता के बीच मजबूत संबंध
जैसे- मणिपुर के IAS आर्मस्ट्रांग पामे ने सोशल मीडिया के माध्यम से crowd funding जुटाकर सड़क बनवाई।

लोक अधिकारियों द्वारा सोशल मीडिया का प्रभावी उपयोग कैसे?

① सोशल मीडिया पर व्यक्तिगत जानकारी साझा करने की बजाय सरकारी योजनाओं

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

व नीतियों को साझा करना चाहिए।

② सिविल सेवकों के लिए सोशल मीडिया code of Ethics का निर्माण किया जाना चाहिए जिसके उल्लंघन पर सिविल सेवकों को जवाबदेह ठहराया जाये।

③ जन शिकायतों के निवारण हेतु सोशल मीडिया का प्रयोग न कि पाब्लिसिटी के लिए।

④ जनता को स्वयं अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए Social Auditing करना चाहिए।

⑤ थोड़ी बहुत छूट भी दी जानी चाहिए ताकि सिविल सेवकों का मोटिवेशन बना रहे।

निष्कर्ष: सिविल सेवक अशोक के सारनाथस्तंभ के उस चौथे सिंह की तरह होते हैं जो दिखाई न देते हुए भी अपनी भूमिका का निर्वहन करता है। नौकरशाही को इसी अनामिकता के मूल्य का पालन करना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. आप भारत में एक सफल मार्केटिंग कंपनी के प्रबंध निदेशक हैं, जिसके कई हाई प्रोफाइल राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ग्राहक हैं। विविधता को बढ़ावा देने के लिए कंपनी सभी सामाजिक और धार्मिक पृष्ठभूमि के लोगों को काम पर रखने का हर संभव प्रयास करती है। एक दिन, एक कर्मचारी मिस 'A' जिसे हाल ही में काम पर रखा गया था, आपको बताती है कि वह अक्सर इस तथ्य के कारण कंपनी में भेदभाव महसूस करती है कि वह एक ट्रांसजेंडर महिला है। वह आगे कहती है कि वरिष्ठ पुरुष कर्मचारी उसकी उपस्थिति में असहज हो जाते हैं। इसके अलावा, अन्य कर्मचारी उसके व्यक्तिगत जीवन पर चर्चा करना चाहते हैं, जबकि उसकी ऐसा करने की कोई इच्छा नहीं है। वह यह भी कहती है कि उसे कुछ विभागीय बैठकों से बिना कोई वैध कारण बताए बाहर कर दिया गया है। इन उदाहरणों के कारण, वह उत्पीड़ित महसूस करती है और चाहती है कि या तो आप स्थिति को तुरंत ठीक कर लें या फिर उसका इस्तीफा स्वीकार कर लें। अगर वह इस्तीफा देती है और यह जानकारी सार्वजनिक हो जाती है, तो कंपनी की छवि खराब होगी। हालांकि, आप जानते हैं कि अपने कर्मचारियों, विशेष रूप से वरिष्ठ सदस्यों के रवैये में तत्काल बदलाव लाना मुश्किल है, क्योंकि ऐसे बदलावों के लिए समय की आवश्यकता होती है।

इस संदर्भ में:

(a) इस स्थिति में मौजूद नैतिक मुद्दों पर प्रकाश डालिए।

(b) एक प्रबंध निदेशक के रूप में, आपके समक्ष कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं?

(c) इनमें से प्रत्येक विकल्प का मूल्यांकन कीजिए और कारण बताते हुए आपके द्वारा चुने गए विकल्प का उल्लेख कीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दें)

You are the Managing Director of a successful marketing company in India that has several high profile national and international clients. The company makes every effort to hire people from all social and religious backgrounds in order to promote diversity. One day, an employee Miss 'A' who was recently hired informs you that she often feels discriminated in the company due to the fact that she is a transgender woman. She points out that senior male employees are uncomfortable in her presence. Further, other employees want to discuss her personal life when she has no intention of doing so. She also states that she has been excluded from some departmental meetings without being given a valid reason. Due to these instances, she feels harassed and wants you to either correct the situation immediately or accept her resignation. If she resigns and the information becomes public, the image of the company will be maligned. However, you know it is difficult to bring about an immediate change in the attitude of your employees, especially senior members, as such changes require time.

In this context:

(a) Highlight the ethical issues in this situation.

(b) As a Managing Director, what are the options available to you?

(c) Evaluate each of these options and choose the option which you would adopt, giving reasons. (Answer in 250 words) 20

उपरोक्त केस स्टडी LGBTQI+ समुदाय के लोगों के साथ किये गये भेदभावपूर्ण

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

व्यवहार जैसे मुद्दों पर केंद्रित है।

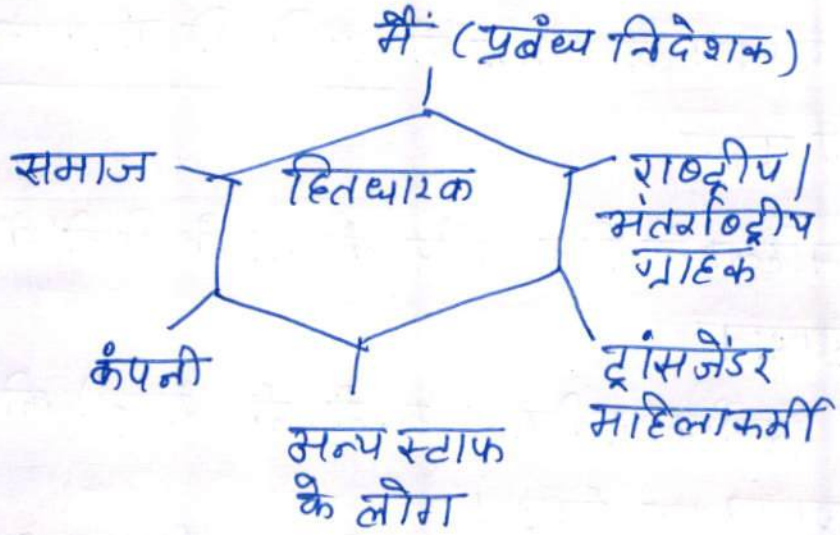

नैतिक दुविधाएँ

1. महिला के अधिकार बनाम कंपनी की साख
2. भावनात्मक समझ बनाम कायरता
3. लाभ बनाम अधिकार
4. समाज बनाम व्यक्ति के अधिकार

नैतिक मुद्दे

1. ट्रांसजेंडर महिला के गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(Art 21)

② कंपनी की साख पर जोखिम

③ समाज के लोगों की अभिवृत्ति परिवर्तन का मुद्दा

④ महिला के हित और कंपनी के हितों में टकराव

⑤ इस्तीफा स्वीकार करने से कंपनी की साख पर संकट।

⑥ ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2019 का उल्लंघन

b & c मेरे पास उपलब्ध विकल्प व उनका मूल्यांकन

① महिला का इस्तीफा स्वीकार कर लूँ

लाभ	हानि
• महिला के साथ भेदभाव पर रोक	• कंपनी की साख पर संकट
• महिला को आत्मसंतुष्टि	• कर्मचारियों का भेदभावपूर्ण नजरिया जारी रहेगा।
	• कंपनी की कार्य संस्कृति खराब

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) महिला का इस्तीफा स्वीकार न करूँ बल्कि उसे चुपचाप भेदभाव होते रहने के लिए छोड़ दूँ

लाभ

- जानकारी सार्वजनिक नहीं होगी जिससे कंपनी की साख अल्पकालिक समय में प्रभावित नहीं होगी।

हानि

- महिला के साथ भेदभाव जारी
- कार्य संस्कृति खराब
- कंपनी की साख पर दीर्घकालीन संकट

(3) महिला का इस्तीफा स्वीकार न करूँ बल्कि कंपनी के कर्मचारियों से इस विषय में बातचीत करूँ और कंपनी के लिए नियम बनाऊँ जिनके उल्लंघन पर दंड की व्यवस्था हो।

लाभ

- कर्मचारियों द्वारा महिला के साथ भेदभाव पर रोक लगेगी।
- महिला को न्याय मिलेगा।

हानि

- महिला थोड़े समय के लिए परेशान हो सकती है।
- कर्मचारियों के विरोध

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

का सामना करना पड़ सकता है।

2nd part

निश्चित रूप से मैं विकल्प (3) का चयन करूँगा क्योंकि –

(1) यदि महिला का इस्तीफा स्वीकार कर लूँ तो कंपनी की कार्य संस्कृति आगे भी खराब ही बनी रहेगी।

(2) महिला को न्याय दिलाने के लिए कर्मचारियों के साथ बातचीत करना एवं उनका मानसिकता परिवर्तन एक बेहतर कदम होगा।

(3) अपने ऑफिस में Role Models के माध्यम से जागरूकता फैलाऊँगा। इससे कंपनी की साख मजबूत होगी। (ट्रांसजेंडर अधिकार अधिनियम 2019)
जैसे- दिल्ली HC के जज सौरभ कृपाल ने खुद को gay घोषित किया है।
जोइता मंडल दिल्ली HC में ट्रांसजेंडर जज है।

निष्कर्षतः पसुएशन तथा Enforced contact (जैसे- साथ में ट्रेनिंग कराकर) तथा शुभ मंगल ज्यादा सावधान जैसी फिल्मों से मानसिकता परिवर्तन किया जा सकता है।